

अधिराष्ट्री अभियन्ता,
अनुसूचित खण्ड, जल संस्थान,
धनौली।

विषय:- वित्तीय वर्ष-२००६-०७ में जिला सैक्टर के अन्तर्गत ग्रामीण पेयजल योजनाओं के
जीर्णोद्धार/पुनर्गठन एवं सुदृढीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

कृपया उपरोक्त विषयक अपने कार्यालय पत्रांक १०१७/जिला योजना/८ दिनांक
२७-७-२००६ एवं मउ संख्या-१६१२/जिला योजना/०६ दिनांक: १२-१०-२००६ का सन्दर्भ ग्रहण
करें।

२- आपके उक्त पत्रों को क्रम में शासनादेश संख्या-१३७३/उन्नीस/०६-२(५९पे०)
/२००६ दिनांक २९ जून २००६ में प्रदत्त व्यवस्थानुसार शासन द्वारा जिला सैक्टर के अन्तर्गत
ग्रामीण पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्धार/पुनर्गठन एवं सुदृढीकरण हेतु आवंटित/स्वीकृत धनराशि
रु.०१६०.०० लाख (एक करोड़ पचास लाख) निम्न शर्तों के साथ आहरण करने की स्वीकृति प्रदान
की जाती है:-

१- स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्हीं कार्यों पर किया जाय, जिनके लिए जनपद की
जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदन प्राप्त हो, तथा अनुमोदित परियोजना के अन्तर्गत
स्वीकृत धनराशि ऐसे कार्यों पर कदापि व्यय न की जाय, जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति न
हो अथवा विवादग्रस्त हो। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय न की जाय।

२- दिनांक ३१-७-२००६ तक अथवा पूर्व धनराशि का समयबद्ध रूप से दिनांक ३१-७-२००६ तक
उपयोग सुनिश्चित किया जाय।

३- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक ३१-३-२००७ तक सुनिश्चित कर
लिया जाय और पूर्व स्वीकृत तथा इस धनराशि के विपरीत कार्यों की वित्तीय एवं मौलिक प्रगति
का विवरण मासिक रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। यदि कोई धनराशि दिनांक
३१-३-२००७ तक अवशेष रहती है, तो उससे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

४- व्यय करने से पूर्व किन मामलों में बजट मैनुअल फाईनेन्सियल हेण्ड बुक अथवा
अन्य रथाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता
हो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। तथा निर्माण कार्यों पर व्यय
करने से पूर्व आगमनों एवं विस्तृत आगमनों पर प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति के साथ-साथ सक्षम
प्राधिकारी की प्राथमिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

५- निर्माण कार्यों पर विशेष धन दिया जाय, गुणवत्ता एवं समयबद्धता से सम्बन्धित
सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित अधिराष्ट्री अभियन्ता की होगी।

६- योजनाओं की लागत के सम्बंध में सेंटेंज चार्ज वर्तमान प्रचलित १२.५ प्रतिशत से
अधिक नहीं लिया जायेगा। यदि इससे अधिक सेंटेंज चार्ज लेना प्राय जाता है तो इस हेतु
सम्बन्धित अधिराष्ट्री अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

7- उपर दिय विस्तीर्ण वर्ष-2006-07 में अनुदान संख्या-13 लेखाशीर्षक 2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-91-जिलायोजना-02-ग्रामीण पेयजल तथा जलांतरण योजनाओं का जीर्णोद्धार-20-सहायक अनुदान/अनुदान /राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

8- शासनादेश में निर्दिष्ट अन्य सभी शर्तों की पालना की जाय।

(अजय सिंह नवियाल)
जिलाधिकारी, चमोली।

संख्या एवं दिनांक उद्यतानुसार।

- प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-
- 1-आयुक्त गढ़वाल मण्डल पीडी।
 - 2-मुख्य महाप्रबन्धक,उत्तरांचल जल संस्थान,देहरादून।
 - 3-महाप्रबन्धक,उत्तरांचल जल संस्थान पीडी।
 - 4-अधीक्षण अभियन्ता,उत्तरांचल पेयजल निगम देहरादून।
 - 5-प्रबन्ध निदेशक,उत्तरांचल पेयजल निगम देहरादून।
 - 6-वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ,उत्तरांचल शासन देहरादून।
 - 7-निजी सचिव,मा० मुख्य मंत्री/मा०पेयजल मंत्री उत्तरांचल देहरादून।
 - 8-महालेखाकार,उत्तरांचल देहरादून।
 - 9-कोषाधिकारी,चमोली।
 - 10-निदेशक,सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय देहरादून।
 - 11-निदेशक,एन०आई०सी० उत्तरांचल सचिवालय परिसर देहरादून।

9/12.8.06
(अजय सिंह नवियाल)
जिलाधिकारी, चमोली।